राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत

(उत्तराखंड) 262310



सूचना का अधिकार-2005

"RTI Act @21: Reform the Law or Strengthen its Implementation"

(अदर्टिआई अधिनियम @21: कानून में सुधार या इसके क्रियान्यन को सुदृढ़ करना)



जानकारी ही शक्ति है

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

- पारदर्शिता
- जवाबदेही
- सशक्त नागरिक
- सुदृढ़ शासन

रिसोर्स पर्सन



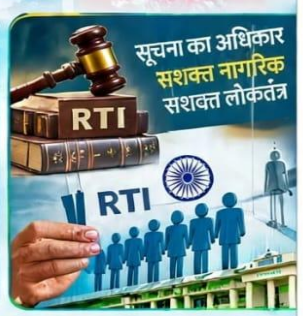
अर्जुन सिंह. पी.एल.वी.
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत.



दीपा देवी. पी.एल.वी.
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत.



राधा चंद. पी.एल.वी.
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत.



आयोजन तिथि: 31.10.2026

आयोजन समय: 11 -12 Noon

आयोजन स्थल: राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत



डॉ. भूप नरायन दीक्षित
सूचना अधिकारी
राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत



डॉ. आनंद प्रकाश सिंह
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बनबसा चम्पावत

की ओर से आयोजित एक कार्यशाला

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा

चम्पावत (उत्तराखण्ड)

मेरा युवा, मेरा भारत • मेरा कर्तव्य, मेरा देश

Not Me But You

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

दिवस शिविर (Day Camp)

सेवा समर्पण संस्कार

दिनांक: 31 अक्टूबर, 2026

समय: प्रात: 11:00 बजे से

स्थान: राजकीय महाविद्यालय, बनबसा परिसर

समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में राजकीय महाविद्यालय, बनबसा में दिनांक 31 अक्टूबर, 2026 को विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

शिविर में आयोजित गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ
- व्याख्यान: सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर व्याख्यान
- रन फॉर यूनिटी: एकता दौड़
- निबंध प्रतियोगिता: विषय- 'राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भूमिका'
- भाषण प्रतियोगिता: विषय- 'सरदार वल्लभभाई पटेल और अखंड भारत का निर्माण'
- चित्रकला प्रतियोगिता: विषय- 'पटेल के जीवन, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय एकता पर 20 प्रश्न'
- अभिनय: स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान
- स्वच्छता अभियान एवं जनजागरूकता रैली (यदि संभव हो)
- सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का सम्मान
- समापन एवं राष्ट्रीय गीत

आइए, एकता, सेवा और सद्भाव का संदेश फैलाएँ

"राष्ट्र की एकता से ही उसकी शक्ति है।"
– सरदार वल्लभभाई पटेल

कार्यक्रम संयोजक:
डॉ. सुशीला आर्य
सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र
राजकीय महाविद्यालय, बनबसा

राजकीय महाविद्यालय, बनबसा परिसर
चम्पावत (उत्तराखण्ड)

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय, बनबसा

कार्यक्रम विवरण

बनबसा, 31 अक्टूबर। राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य विषयवस्तु *"सूचना का अधिकार अधिनियम के 21 वर्ष: कानून में सुधार अथवा इसके क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना"* रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. आनंद प्रकाश सिंह** के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सूचना का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा शासन-प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय से इस अधिनियम के प्रावधानों को समझने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इसी अवसर पर सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय *"सूचना का अधिकार अधिनियम के 21 वर्ष: कानून में सुधार अथवा इसके क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना"* रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. आनंद प्रकाश सिंह** के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामूहिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने तथा शासन-प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने का एक प्रभावी माध्यम है।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सुधीर मलिक के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान, देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने की आवश्यकता तथा राष्ट्रीय एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार को सामाजिक सद्भाव, आपसी सहयोग और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

सूचना का अधिकार कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत से जुड़े संसाधन व्यक्तियों **श्री अर्जुन सिंह, श्रीमती दीपा देवी एवं श्रीमती राधा चंद** ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

श्री अर्जुन सिंह ने सूचना का अधिकार अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, *"सूचना का अधिकार केवल सरकारी अभिलेखों तक पहुँचने का माध्यम नहीं, बल्कि नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। जागरूक नागरिक ही पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन की आधारशिला हैं।"* उन्होंने अधिनियम के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा नागरिकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

श्रीमती दीपा देवी ने अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विधिक जागरूकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि, *"किसी भी कानून की सार्थकता केवल उसके निर्माण में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है। सूचना का अधिकार तभी वास्तविक रूप से जनोपयोगी बनेगा, जब आम नागरिक इसके प्रावधानों, आवेदन प्रक्रिया तथा उपलब्ध विधिक उपायों से परिचित होंगे।"* उन्होंने नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमती राधा चंद ने पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सशक्त नागरिकता के परस्पर संबंध पर विचार रखते हुए कहा कि, “सूचना तक सहज पहुँच नागरिकों में विश्वास पैदा करती है और शासन व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी बनाती है। सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को प्रोत्साहित करना है जिसमें पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता मिले।” उन्होंने सूचना के अधिकार के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला में इस बात पर विशेष चर्चा की गई कि सूचना का अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कानून की जानकारी के साथ-साथ उसके समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी तथा संबंधित संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेम कुमार गहतोड़ी ने किया। उन्होंने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए संसाधन व्यक्तियों के विचारों को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया तथा कार्यशाला को ज्ञानवर्धक एवं संवादपरक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. कमलेश शक्टा, डॉ. राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. सुशीला आर्या एवं श्रीमती कमला चड्ढा ने सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त कार्यालयी कर्मचारी श्री कमलेश जोशी एवं श्रीमती जयंती देवी तथा उपनल कर्मचारीगण श्री त्रिलोक चन्द्र कांडपाल, श्री अमर सिंह, श्री विनोद कुमार चंद एवं श्री नर सोनू सहित अन्य सहयोगियों का भी कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान रहा।

दोनों आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव, पारदर्शिता एवं नागरिक जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने इस विचार को रेखांकित किया कि राष्ट्रीय एकता देश की शक्ति है और सूचना का अधिकार सशक्त एवं जवाबदेह लोकतंत्र की आधारशिला है।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के लोक सूचना अधिकारी डॉ. भूप नरायन दीक्षित ने सभी अतिथियों एवं महानुभावों को धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर लगभग 126 विद्यार्थी उपस्थित रहे.

दिनांक: 31.10.2026

प्रेस नोट

बनबसा, 31 अक्टूबर। राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की मुख्य विषयवस्तु *"सूचना का अधिकार अधिनियम के 21 वर्ष: कानून में सुधार अथवा इसके क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना"* रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. आनंद प्रकाश सिंह** के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सूचना का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा शासन-प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय से इस अधिनियम के प्रावधानों को समझने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इसी अवसर पर सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय *"सूचना का अधिकार अधिनियम के 21 वर्ष: कानून में सुधार अथवा इसके क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना"* रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य **डॉ. आनंद प्रकाश सिंह** के आशीर्वचनों से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामूहिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने, प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने तथा शासन-प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने का एक प्रभावी माध्यम है।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सुधीर मलिक के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान, देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने की आवश्यकता तथा राष्ट्रीय एकजुटता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार को सामाजिक सद्भाव, आपसी सहयोग और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया गया।

सूचना का अधिकार कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत से जुड़े संसाधन व्यक्तियों **श्री अर्जुन सिंह, श्रीमती दीपा देवी एवं श्रीमती राधा चंद** ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

श्री अर्जुन सिंह ने सूचना का अधिकार अधिनियम की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, *"सूचना का अधिकार केवल सरकारी अभिलेखों तक पहुँचने का माध्यम नहीं, बल्कि नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। जागरूक नागरिक ही पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन की आधारशिला हैं।"* उन्होंने अधिनियम के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा नागरिकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

श्रीमती दीपा देवी ने अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विधिक जागरूकता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि, *"किसी भी कानून की सार्थकता केवल उसके निर्माण में नहीं, बल्कि उसके*

Dr. B. N. Dixit | Banbasa Canal Range | 2026.10.31 15:44

कार्यालयः प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बनबसा
चम्पावत (उत्तराखंड) 262310

प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है। सूचना का अधिकार तभी वास्तविक रूप से जनोपयोगी बनेगा, जब आम नागरिक इसके प्रावधानों, आवेदन प्रक्रिया तथा उपलब्ध विधिक उपायों से परिचित होंगे।" उन्होंने नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

श्रीमती राधा चंद ने पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सशक्त नागरिकता के परस्पर संबंध पर विचार रखते हुए कहा कि, *"सूचना तक सहज पहुँच नागरिकों में विश्वास पैदा करती है और शासन व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी बनाती है। सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था को प्रोत्साहित करना है जिसमें पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता मिले।"* उन्होंने सूचना के अधिकार के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला में इस बात पर विशेष चर्चा की गई कि सूचना का अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कानून की जानकारी के साथ-साथ उसके समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी तथा संबंधित संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन **डॉ. हेम कुमार गहतोड़ी** ने किया। उन्होंने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए संसाधन व्यक्तियों के विचारों को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया तथा कार्यशाला को ज्ञानवर्धक एवं संवादपरक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण **डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. कमलेश शक्टा, डॉ. राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. सुशीला आर्या एवं श्रीमती कमला चड्डा** ने सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त कार्यालयी कर्मचारी **श्री कमलेश जोशी एवं श्रीमती जयंती देवी** तथा उपनल कर्मचारीगण **श्री त्रिलोक चन्द्र कांडपाल, श्री अमर सिंह, श्री विनोद कुमार चंद एवं श्री नर सोनू** सहित अन्य सहयोगियों का भी कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान रहा।

दोनों आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव, पारदर्शिता एवं नागरिक जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम ने इस विचार को रेखांकित किया कि **राष्ट्रीय एकता देश की शक्ति है और सूचना का अधिकार सशक्त एवं जवाबदेह लोकतंत्र की आधारशिला है।**

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के लोक सूचना अधिकारी डॉ. भूप नरायन दीक्षित ने सभी अतिथियों एवं महानुभावों को धन्यवाद ज्ञापित किया इस अवसर पर लगभग 126 विद्यार्थी उपस्थित रहे.

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बनबसा
चम्पावत

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय बनबसा
चम्पावत

Dr. B. N. Dixit | Banbasa | 2026.10.31 15:45

अमर उजाला/01.11.2026

संवाद न्यूज एजेंसी

अधिकार अधिनियम, आवेदन प्रक्रिया और कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी

बनबसा (चंपावत)। राजकीय महाविद्यालय बनबसा में शनिवार को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के 21 वर्ष पूरे होने पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने का प्रभावी माध्यम है। कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े अर्जुन सिंह, दीपा देवी और राधा चंद ने विद्यार्थियों को सूचना का अधिकार अधिनियम, आवेदन प्रक्रिया और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. हेम कुमार गहतोड़ी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक मौजूद रहे। संवाद


राजकीय महाविद्यालय वनबसा, चम्पावत
उत्तराखण्ड शासन


राजकीय महाविद्यालय वनबसा, चम्पावत
उत्तराखण्ड शासन


समय : प्रातः 10:30 बजे से
वनबसा परिसर, चम्पावत
आयोजक एवं निवेदक:
महाविद्यालय वनबसा, चम्पावत
चम्पावत
राजकीय महाविद्यालय वनबसा, चम्पावत
उत्तराखण्ड शासन


Rajkiya Mahavidyalaya Banbasa
Career Counselling Cell
Internal Quality Assesment Cell (IQAC)
सूचना का अधिकार-2005
"RTI Act @21: Reform the Law or Strengthen its Implementation"
जिला विधिक


राजकीय महाविद्यालय वनबसा




राजकीय
महाविद्यालय
बनबसा
चम्पावत (उत्तराखण्ड)


राजकीय
महाविद्यालय
बनबसा
चम्पावत (उत्तराखण्ड)


0:00


N. Dixit | Banbasa Canal Range | 2026.10.31 11:24


B. N. Dixit | Banbasa Canal Range | 2026.10.31 12:30


देवभूमि उद्यमिता योजना
करियर परामर्श प्रकोष्ठ
(Career Counselling Cell)
B. N. Dixit | Banbasa | 2026.10.31 12:32


B. N. Dixit | Banbasa | 2026.10.31 12:32


GPS Map Camera
Banbasa, Uttarakhand, India
X3rg+3rc, Banbasa, Uttarakhand 262310, India
Lat 28.989719° Long 80.077801°
Saturday, 31/10/2026 12:01 PM GMT +05:30
Note : Captured by GPS Map Camera
Google


राजकीय महाविद्यालय बनबसा
नशा मुक्ति जागरूकता अभियान
N. Dixit | Banbasa Canal Range | 2026.10.31 12:33


देवभूमि उद्यमिता योजना
एक दिवसीय
उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम
राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत
कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ
(Career Counselling Cell)
विकसित भारत @2047
मेरी कल्पना
B. N. Dixit | Banbasa Canal Range | 2026.10.31 12:32


देवभूमि उद्यमिता योजना
एक दिवसीय
उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम
नशा मुक्ति जागरूकता अभियान
B. N. Dixit | Banbasa Canal Range | 2026.10.31 11:24